

गीत

गुलमोहर

विद्या चौहान

के



41622

शासकीय जिला पुस्तकालय
टीकमगढ़ को आदर.....

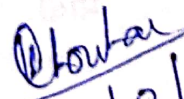

राजेश - राजीव नामदेव "सदा विद्योति"

संपादक - 'आकांक्षा' पत्रिका
अध्यक्ष - म.प्र. लेखक संग जिला इकाई टीकमगढ़
मह. मार्ग के पीछे, शिव नगर कालोनी, टीकमगढ़
(म.प्र.) - 472001, मोबा. 9990520303

गीत गुलमोहर के
(काव्य)

विद्या चौहान

विद्या चौहान


1/2/23


AVISHA
अविशा
प्रकाशन

गीत गुलमोहर के (काव्य)

। कवयित्री

विद्या चौहान

vkmschouhan@gmail.com

Mob. : 918368167340

। मुखपृष्ठ

विद्या चौहान

। परामर्श

अविनाश बागड़े

। प्रकाशक

अविशा प्रकाशन

84, अविशा, जैतवन सोसायटी,

शास्त्री ले-आऊट, खामला, नागपुर - 440025

मोबा. 9373271400

Email - aavinashbag@gmail.com

। मुद्रक

स्कॅन डॉट कॉम्प्युटर, महाल, नागपुर.

मोबा. : 9822565782

scandot100@gmail.com

। संस्करण : 2022

। मूल्य : 150/-

। © सर्वाधिकार लेखकाधीन

। ISBN : 978-81-955920-8-1



अनुक्रम

मेरी कविताएँ	15	नदिया धारा	47
गुलमोहर की छाँव	16	पलाश	49
खिलना नहीं छोड़ा है	17	देखा है मैंने	50
कविता	18	सपने	51
सहोदरी	19	इंद्रधनुष	52
आने को है बसंत	20	प्रकृति की सीख	53
बोगनवेलिया	22	सरिता की शंका	54
षोडशी सरसों	23	जीवन हो ऐसा	55
इस होली में	24	गिलहरी	56
गुलमोहर	26	ब्रम्हाण्ड	57
टेसू खिले हैं	27	कल, आज और कल	58
सिंदूरी गुलमोहर	28	रिश्तों की चादर	59
होली अब के बरस	29	गुलाबी एहसास	60
शाम	30	कुछ ऐसा करो!	61
दस्तक देता बसंत	31	खुले आसमाँ के नीचे	62
ठान लो तुम आज से	32	जिंदगी का फ़लसफ़ा	64
जीवन एक रूप अनेक	33	वो बचपन सुहाना	65
माँ के नाम एक पत्र	35	सूर्योदय निश्चित होगा	67
मौन संवाद	36	जिंदगी	68
बाबुल का अँगना	37	जीवन सँवार लो	69
आ जाओ गौरैया	39	बादल की आह!	71
मेरा भारत	41	सपनों का घर	73
पावन गंगा	42	धूप ढलती जा रही	74
प्रेरणा	43	अपना हिस्सा	75
चंचल पवन	45	मेरी चाय	76

11627

अनुक्रम

सावन	78	औरत ही.....	113
मंगल गीत	79	आँचल	115
बादल	80	शरद की आहट.....	117
सूखी नदी	81	पानी	119
ऐ ज़िंदगी	82	भाप	120
विरह गीत-सावन (कजरी)	84	बर्फ	121
बारिश	85	हो ये रात अंतिम.....	122
मन-गिलहरी	86	माँ.....	123
रिश्ते.....	87	आह्वान	124
खामोशी	88	मेरा गाँव	127
किरणें	91	उसके आगोश में	129
आशा	93	आ भी जाओ शरद!	130
संवाद	94	जाड़े की धूप	131
गंगा	96	सूरज को यह क्या हुआ	133
फिर वही कहानी	98	ठिठुरन	135
ठहर जाऊँ	99	तुम और मैं	137
परिवार	100	कुर्बानी	139
मैं नारी हूँ	102	रुबाईयाँ	140
पल्लवित मन	104	ऐ वतन.....	141
दीप जलाना	106	खुशियाँ	142
लाल जोड़ा	107	मैं वामा	144
अलमारी	108	सहेज रही हूँ	145
मैं क्या करती हूँ?	110	अब वो शाम नहीं आती	146
दीया और मैं	111	भूले बिसरे.....	147
समय	112		



विद्या चौहान

अपने आँगन में
मैंने लगाया था
गुलमोहर का पेड़
घनी छाँव अब
देने लगा है
कुछ देर आ कर
तुम भी बैठ जाना!
उसके झरते फूल
तुम्हें अपने से लगेंगे
बचपन के क्रिस्से
तुमसे आ मिलेंगे
घहकते पंछी
डाली पर बैठ
कुछ अपनी कहेंगे
कुछ तुम्हारी सुनेंगे!
कुछ बातें मौसम की
कुछ खुशी कुछ गम की
कुछ धूप कुछ शबनम की
कुछ बारिश में नम की
कुछ तुम्हारे, मेरे, हम सबके
अहसासों के मिलते जुलते
दास्तानों के पल
इंतज़ार में आँखें बिछाये
बैठे मिलेंगे!
महकती कुछ यादें
बन 'गीत गुलमोहर के'
गुनगुनाने लगेंगे!

परिचय

विद्या चौहान नागपुर में जन्मी और वहीं से शिक्षा पूर्ण की। इन्होंने नागपुर विश्वविद्यालय से बी.एस.सी., बी.एड. (गणित, भौतिक विज्ञान) से स्नातक किया और फिर शिक्षिका की भूमिका में कोमल मन और निश्छल हृदय के स्वरूप विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता को तराश कर उनके भावी भविष्य को आकार दिया। हिंदी और अंग्रेज़ी, दोनों भाषाओं में कविताएँ लिखती हैं। वर्तमान में परिवार सहित हरियाणा के फ़रीदाबाद शहर में रहती हैं।

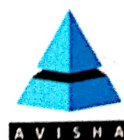
काव्य की विविध विधाओं में सृजनरत। सामाजिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण और पक्ष, समाचार पत्रों और विभिन्न संचार माध्यमों से व्यक्त करती हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

- अ जर्नी थू परसेवेरन्स (उपन्यास)
- दहलीज़ (हिंदी अनुवाद)

साझा संग्रह

- कलरव- लघुकथा संग्रह
- हाइकु काव्य के हस्ताक्षर- हाइकु संग्रह
- महिला दिवस-एक अभिव्यक्ति
- ज़िंदगी ज़िंदाबाद-कोरोना काल



अविशा
प्रकाशन

